एम.फिल्. पाठ्यक्रम (हिन्दी)

प्रश्न पत्र – 1

<u>अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया</u> **समय : तीन घण्टे पूर्णांक : 100**

1. अनुसंधान का स्वरूप ।
2. अनुसंधान और आलोचना ।
3. अनुसंधान के मूल तत्त्व ।
4. अनुसंधान के प्रकार ।
5. विषय – निर्वाचन ।
6. सामग्री – संकलन ।
7. शोध – कार्य का विभाजन, अध्ययन – उपशीर्षक और अनुपात ।
8. रूपरेखा, विषय – सूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची, संदर्भ – उल्लेख, पाद-टिप्पणी ।
9. शोधकर्ता एवं निर्देशक : पात्रता एवं अर्हता ।
10. हिन्दी शोध : परम्परा एवं वर्तमान स्वरूप ।
11. शोध स्तर में गिरावट के कारण एवं सुधार के उपाय ।

<u>अंक विभाजन तथा प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

पाँच आलोचनात्मक प्रश्न 5 x 20 = 100 अंक ।
पर्याप्त विकल्पों के साथ पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे ।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :</u>

1. विजय पाल सिंह, हिन्दी अनुसंधान, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।
2. तिलक सिंह, नवीन शोध विज्ञान, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
3. विनय मोहन शर्मा, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
4. उदयभानु सिंह, अनुसंधान का विवेचन, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली ।
5. एस.एस. कन्ने, भारतीय पाठालोचन की भूमि, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।
6. Thesis & Assignment Writing, Anderson, Disston and Poole], Wiley Eastern Ltd. New Delhi, Bombay, Calcutta.
7. The MLA Style Sheet, American studies Research Center, Hydrabad.
8. डॉ0 जुगेश कौर, शोध विधि : संदर्भ और इतिहास, राजेश प्रकाशन, दिल्ली ।
9. डॉ0 जुगेश कौर, अनुसंधान विधि : हिन्दी शोध ग्रन्थों के सन्दर्भ में, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली।

एम.फिल्.

प्रश्न पत्र – 2

<u>शोध-विषय से सम्बद्ध विशेष अध्ययन</u> **समय : तीन घण्टे** **पूर्णांक : 100**

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दस विकल्प रखे गए हैं । इनमें से किसी एक विकल्प में परीक्षा देनी होगी ।

विकल्प (क) मध्यकालीन हिन्दी-साहित्य ।

अथवा

विकल्प (ख) आधुनिक हिन्दी-साहित्य (सन् 1857 से 1947 तक) ।

अथवा

विकल्प (ग) स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी-कविता ।

अथवा

विकल्प (घ) हिन्दी-कहानी ।

अथवा

विकल्प (ङ.) हिन्दी-उपन्यास ।

अथवा

विकल्प (च) हिन्दी-आलोचना (भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ) ।

अथवा

विकल्प (छ) हिन्दी-नाटक और रंगमंच ।

अथवा

विकल्प (ज) हिन्दी-निबन्ध, संस्मरण, रेखा-चित्र, यात्रा-लेखन, डायरी आदि ।

अथवा

विकल्प (झ) भाषा-विज्ञान (हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में हिमाचल की विशिष्ट विभिन्न जातियों का अध्ययन)

अथवा

विकल्प (ञ) लोक-साहित्य ।

<u>प्राश्निक के लिए निर्देश :</u>

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दस विकल्प होंगे । इनमें से विद्यार्थी जिस विकल्प का चयन करेगा, उसमें दस प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा । विद्यार्थी से इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आलोचनात्मक प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

एम.फिल्.

प्रश्न पत्र – 3

<u>शोध – आलेख</u>

पाठ्यक्रम दो मे निर्धारित विभिन्न वर्गों में से किसी एक वर्ग से सम्बन्धित विषय पर गहन प्रश्न किए जाएंगे । इसका अध्यापन विभागीय विषय विशेषज्ञ द्वारा कक्षाध्यापन या सेमिनार के रूप में किया जाना चाहिए । विषय का आबंटन विभागीय व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा । इसी विषय का परिविस्तार करके विद्यार्थी चतुर्थ प्रश्न पत्र में निर्धारित लघु शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत करेगा और यदि वह पी-एच.डी. करना चाहे तो इसी विषय को विस्तारित करके पी-एच.डी. उपाधि हेतु शोध-प्रबन्ध भी प्रस्तुत कर सकता है । प्रत्येक विश्वविद्यालय से अपेक्षा की जाती है कि वह इन वर्गों से सम्बन्धित सेमिनार/प्रशिक्षण की सम्यक् व्यवस्था करेगा । शोध आलेख का मूल्यांकन विश्वविद्यालय के आर्डिनेंस 15.5 के अनुसार किया जाए ।

एम.फिल्.

प्रश्न पत्र – 4

इसके अंतर्गत लगभग 100 (सौ) टंकित पृष्ठों का लघु शोध-प्रबन्ध परीक्षाणार्थ प्रस्तुत किया जाएगा । विषय का आबंटन एवं शोध-निर्देशक की संस्तुति विश्वविद्यालय के आर्डिनेंस 15.7 के अनुसार किया जाएगा । विभाग ही विशेषज्ञ/निर्देशक की व्यवस्था करेगा । इस लघु शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन 100 अंकों में से बाह्य विशेषज्ञ परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है । इसके अन्तर्गत शोध-प्रबन्ध मूल्यांकन के लिए 75 अंक तथा मौखिकी के लिए 25 निर्धारित किए गए हैं ।